## 

|  | York, wamespar Aprit 10 , sas |  |  | whole no. 178 . |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| moxim |  |  |  |  |
|  |  | Nemen |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | \% |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | \%ob |  |  | Sexarit |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | our diflerent splieres, in all things to walk so o please God, : I aun, my dear Sir,' |  | The eve tie mimat of |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | 为 |  |  |
|  |  | If | Nomit |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  | Comen |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | Aneme |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | Hly dangerous.. Nothing on our part but true pentance, and faith in Christ's atoning blood, be accepted; and with our offended Lord nö- |  |  |
|  |  |  | 何 |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |


|  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| pefish；；but have e |  |  |  |  |
| Sos froi |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| 为 |  | and Mabices， |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | ，hoo |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| ．－But how few among the g |  | 边 |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  himetis all ththat hereunto it was sent？He |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | Thtillsence． |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | nom |  |  |
|  |  | CRMISTIAN GUARDIAN． |  |  |
|  |  | Wednesiay Apric 10， 1833 |  |  |
|  |  | Weanestay，apmo for |  |  |
| the New Testament，and was exemplifed in thexperience of the early disciples．To bring chris．ans to this maturity，is the design of all the in． |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | O－S Nò hater Foreign new |  |  |
|  |  | ， |  |  |
|  |  |  |  |  |
| ion min prome |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| hisis |  |  |  |  |
|  | $\begin{aligned} & \text { A nd the heafing power thereof was eoun displayed in the } \\ & \text { convergion of several souls. } \\ & \text { A Athis perind (about the middte of November, I think) } \end{aligned}$ |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| not communo wihk Gudid thou canst have no ferl |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| by |  |  |  |  |
| See tothis |  |  |  |  |
| is boly |  |  |  |  |
|  | months which dave elarsed since the last Ohio conderence， there havo been received on prokition in the Cincinnati station，more than－eight hundred new membera；three－ |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| tous souodist tee tory． | Aneme |  |  |  |
| er of |  |  |  |  |
|  | Ho |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| tempranace catsk－ |  |  |  | ncia |
|  |  |  |  | ． |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | 为 |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | Sichen |  |  |  |
| Mer ine |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | doubled its numher of mentbers in this conferenceYoure，\＆e．Whinas． |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | HINDOOISM BROUGITT INTO DANGER．The following interesting notice contains rome indica．tions of the＂signs of the times＂of peculiar interest．It |  |  |  |
| dita |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | and |  |  |
| ， |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  | tbe Colonial office，whiclr privile him．－So much for perseverence |  |
|  | and the falien intellect of man，though freed from many vernicious tonds，is still left in that perilous state of |  | Tus Grivinize Gazerte－This pajer has passeal |  |
|  |  | $\left\{\begin{array}{l}\text { some，deceived by an association of imarined stately pre－} \\ \text { they have been familiar，have not inal }\end{array}\right.$ |  |  |
|  |  |  | of whom the ex－Editor remarks， ter are well known．He takes possession of the edito－ sial chair immediately and the paper will be continued |  |
|  | difierent from the richness which the latier gives．There is a serpent．boud coiled round every fecting and fuealty of a Hindoo，whicb presses the wary breath of life from his | iates＂lording it over God＇s beritage，＂instead of hum－ ble，familiar labourers ；－overseers，such na we read of | withont interruption． |  |
|  |  | and painfulnese，ia watchings often，in henger and thirst；in fastings ofen，in cold and nakedness，＂had＂the |  |  |
|  |  |  | New History of Methonism．－We have re－ |  |
|  |  |  |  | Miche |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |


|  <br>  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| 何 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| Nomen |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| ， |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| 为 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| Hosen |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| 为 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| 为 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| 为 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| 为 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| and |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| Is nom anc orraio iodse．He will |  |  |  |  |
| 为 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| 为 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| 为 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| Fiomel |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |

 XIV, And utiercas byacertain Act of th P $P$






 By contract in any, prixate 广ard, ,rir tepairsing of
HIIs Majesty, or any of His Majesty's Arsenals,








 Upon the sea hold correspondence with any rebelels,
or enemy of IIis Muijest, or give thenn advice or



 contained shath bece, That nofling in this. Act


 passcd in the Partiament of this Province, in tite
ibirity ieighth year of Ilve Beyn of King Geurga






 XYI And be it furither encucteath the whilherity









 Treason or Felonys shalt chaltengo peremipt toriy
n greater number of the men returaed to be of the Jury Man such person is entitited by Law so so
to Chailenge, in auy of the said cases, cever peremptory chat Hong beyond the number allowed proced ns if no such chatlengen hadd beent inaide.

 execution ' and there be hauged by he peckec, oft
not until shey are dead, but that they should Iaken down again, and that when they aure bet






## 

 

The
witic
weith
ceive

I 172

$$
y_{122}^{122}
$$

## ${ }^{\text {then }}$

ch.
Convistion ther oof by indie: menti b the auluority





thicr deeveripioions
tre mentioned.

Province, the Court before which such person
slall be convicted may if they shall think it, ad.
judine such ped
eset in the Pillory; once or oftener or orence or offener publicly or privately whipped;
such time or times, and at such place or thac


